राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 2411
स्टैच्यू
सुपर कमाण्डो ध्रुव
राज रजत वर्ष
By: अनुपम
MOIN

6th FLOOR
सुबुक!
STAIRS
JAIL
RAJN
8th FLOOR
CENTRAL JAIL
शमिता लेले को कानून अपराधी मानता है और पांच साल कैद-ए-बामशक्कत की सजा सुनाता है।
13th FLOOR

18th FLOOR
CCTV 11:42 9 SEP '08 REC
20th FLOOR
CCTV 11:40 9 SEP '08 REC
TATA SALT

संजय गुप्ता पेश करते हैं
स्टैच्यू
राज कॉमिक्स है मेरा जनून!
कथा जॉली सिन्हा
चित्रांकन अनुपम सिन्हा
इंकिंग विनीत सिद्धार्थ
इफैक्ट्स सुनील
कैलिग्राफी हरीश शर्मा
संपादक मनीष गुप्ता

धम्म
आह!
छपाक
ओऽऽऽफ!
तड़
आऽऽ!
ठम्म
आऽऽऊ
भम्म
उम्ह!!
धम्म
हम्फ
ईयाऽऽऽया!
शिमी!

...बस।

तूने आते ही चाचू को परेशान करना शुरू कर दिया!
तो ये मेरे स्टेच्यू बोलने के बाद हिले क्यों? मैंने तो काउंट करके बारह मुक्के मारे हैं। ये तो रूल है।
बाप रे। ये तो बहुत तेज मुक्के मारती है।

सॉरी बोलो चाचू को! ये लड़की तो दिन पर दिन बदमाश होती जा रही है।
अरे, रहने दो ना, भाभी! बच्चे ऐसे ही खेलते हैं।
अच्छा हुआ कि ताऊ जी और ताई जी श्वेता के पास क्रेंम्ब्रिज गए हैं। वर्ना ये उनको भी नहीं छोड़ती।

छोड़ो न, तरूण भाई! आज पहली बार तो आप लोगों से मुलाकात हो रही है। वर्ना अब तक तो आप लोगों की तो सिर्फ बातें ही सुनता था!
क्या करें, ध्रुव। बीस सालों से कभी इधर आने का मौका ही नहीं मिला। बाकी पूरी दुनिया घूम ली।
मुझे भी जब पापा का फोन आया कि आप लोग राजनगर आ रहे हैं तभी मुझे भी पता चला।...

...पर आप लोग घर न आकर इस फ्लैट में रूके हुए हैं।
फ्लैट नही, ध्रुव, ये मेरी कंपनी का गेस्ट हाऊस है। मैं ऑफीशियल विजिट पर बीस दिनों के लिये आया हूं। कंपनी रूल्स के अनुसार मुझे यहीं रूकना है।

O.K.! O.K.! वैसे भी घर पर कोई है भी नहीं। पर आपको यहां पर क्या काम है? बताएं तो शायद मैं आपकी कुछ मदद कर सकूं?
मेरे काम में कोई मेरी मदद नहीं कर सकता, ध्रुव! इसीलिए देखो मेरा कोई स्टाफ तक नहीं है।।
ऐसा क्या काम है आपका?
बताऊंगा! पर नौकरी से इस्तीफा देने के बाद! मैं ये जानकारियां तुम्हारी भाभी तक से शेयर नहीं कर सकता!
O.K! O.K.! ऐसा करते हैं। हम बिजनेस को अलग और रिश्तों को अलग रखते हैं। तो कब ले चलूं आप लोगों को डिनर पर?
अ...कल बताऊं तो चलेगा?
चलेगा! पर फिलहाल तो मैं चलूंगा!
टीं टीं SSS!
हां, करीम! क्या प्रॉब्लम है?
मैं हमेशा प्रॉब्लम बताने के लिए कॉल करता हूं क्या?
90 परसेंट!
आज भी मामला 90 परसेंट का ही है। एक महिला विन्सेंट टॉवर की छत पर चढ़ गई है!

"26वीं मंजिल पर!"
यही है साहब! मैंने जब इस को अंदर जाते देखा था, तभी मुझे शक हो गया था!
फिर जब मैंने सर्विलेंस कैमरे पर, इसको हांफते हुए सीढ़ियां चढ़ते देखा, तो मुझे पक्का हो गया कि ये गलत ईरादे से आई है और मैंने आपको फोन कर दिया।
तूने ठीक किया! इसके सीढ़ियां चढ़कर ऊपर जाने के कारण हमको समय पर आने का मौका भी मिल गया।
पर इस तक पंहुचे कैसे? इसने तो छत पर दरवाजा बंद किया हुआ है! और वह नीचे कूदने ही वाली...
हटो। हटो। पीछे हटो!
THANK GOD! अब ये लड़की कूदे या न कूदे, मैं तो रिलैक्स हो गया!
अरे! अरे! वह तो सचमुच कूद गई!!
घबराओ मत। हम इसे कैच कर लेंगे।

अरे! हमको देख कर उसने दिशा बदल ली है।
वह उस तरफ कूदी है। हाईवोल्टेज केबल्स के ऊपर!
"और ऐसी स्थिति से इसको बचा पाना हमारे बस से बाहर की बात है!"
"अब या तो इसको किस्मत बचा सकती है..."
"...या भगवान।"
FIRE
तुमने मुझे क्यों बचाया? मुझे मरने दो!
मेरे जीने का अब कोई मकसद नहीं है।
O GOD! तो ये यहां पर है।

तरूण जी! आप यहां? और...आप इसको जानते हैं? कौन है ये?
ये खुद बताएगी! पूछो इससे!

बताओ। कौन हो तुम? क्यों आत्महत्या करना चाहती थी। तुम्हारे गले में सेंट्रल जेल का इनमेट आई कार्ड क्यों है? बोलो।

बोलो!

बोलो!

अरे! इसको क्या हुआ?
शायद स्ट्रेस के कारण बेहोश हो गई है।
हटिए! मैं देखता हूं।

ये तो- मर गई!
O GOD! हार्ट फेल का केस लगता है। आखिर इसने अपने मन की कर ही ली। पर ये चक्कर क्या था?

SORRY DHRUVA! मैं कुछ नहीं जानता।

मामला दिखने मे तो छोटा सा है! जेल से पैरोल पर छूटी एक लड़की की आत्महत्या! पर... तरुण जी का यहां पर होना इस मामले को उलझा रहा है!
और इससे भी बड़ा कॉम्पलीकेशन मेरी उनसे रिश्तेदारी है। उनसे मैं खुलकर पूछताछ भी नहीं कर सकता!
पर एक तरीका जरूर बचता है।
"मैं उस लड़की के बारे में छानबीन कर सकता हूं। शायद वहां से कोई जवाब मिले।"
ओह! इस लड़की ने मींडक सिटी में एक इंडस्ट्रियलिस्ट की हत्या की थी! वह उसके घर में 'मेड' का काम करती थी।
यानी उसे पता था कि उसकी ये हरकत पूरे घर में लगे C.C.T.V. कैमरों में कैद हो जाएगी। फिर भी उसने यह हत्या की! हत्या का कारण पता नहीं चला!...
एक मिनट! एक मिनट!!...
ये फोटो देखिए इंस्पेक्टर! इसकी आंखें! ये लड़की या तो नशे में है या...हिप्नोटिज्म की हालत में है।
CCTV
CAM 3 – 11:41PM
22 NOV
[REC]
हमको हत्या के कारण का पता नहीं चला था। और हां, इस लड़की को भी हत्या के बारे में कुछ याद नहीं था!...
इसको जब पुलिस ने एक सुनसान स्थान से गिरफ्तार किया था...
तो भी इसकी हालत ऐसी ही थी।
इसको तो यही याद था कि ये सब्जी लेने बाजार गई थी और वहां पर इसको कुछ बौने दिखे थे! जिनमें से एक ने इसको 'स्टेच्यू' कहा था! उसके बाद इसको पुलिस द्वारा गिरफ्तारी से पहले का कुछ और याद नहीं था! वैसे इसको हमारे इंस्पेक्टर सुहेल खान ने गिरफ्तार किया था। वे उस समय मींडक में तैनात थे।
स्टेच्यू! वो बच्चों वाला गेम?
कुछ ऐसा ही होगा!

पुलिस और जेल रिपोर्ट के अनुसार वह लड़की ड्रग की आदी नहीं थी। यानी वह सम्मोहित अवस्था में थी और उसके अनुसार ऐसा तब हुआ था, जब किसी बौने ने उसको कहा-

"स्टेच्यू" "पर अगर उस लड़की को भ्रम नही हो रहा था तो वे बौने कौन थे और तरूण जी का उनसे क्या संबंध है?"

हाय! अ... आपके पास माचिस होगी!

माचिस? नहीं! मैं स्मोक नहीं करता।

मैं भी नही करता! मुझे दांत खोदना था! ही ही ही!

इस घर के सदस्यों के अलावा किसी को भी बगैर मेरी परमीशन के घुसने मत देना! मैं अभी यहां के सिस्टम को थाने के सिस्टम से कनेक्ट करके आता हूं।

यही इंचार्ज लगता है।

यानी हमको रिपोर्ट इसी के पास लिखानी है। ये कहीं जा रहा है। इसके पीछे चलो!

इंस्पेक्टर सुहेल खान के लिए डिमांड में रहना कोई नई बात नहीं थी।

अब आज का आखिरी काम इंस्पेक्टर सुहेल खान से मिलना है।

शायद उनके पास कोई अतिरिक्त जानकारी हो!

ध्रुव को भी इस बात को अहसास हो रहा था-

और इंस्पेक्टर सुहेल खान को भी कि राजनगर में कोई बड़ी घटना, घटने की फिराक में है।

तनेजा बिल्डर की कोठी का C.C.T.V. सिस्टम हमारे कंट्रोल रूम से कनेक्ट हो गया है सर!

गुड! अब इस पर चौबीसों घंटे की निगरानी रखो। मुझे यह हर कीमत पर जानना है कि वह शख्स कौन है जिसने तनेजा को धमकी देने की कोशिश की है।

वह कोई 'होक्स कॉल' भी तो हो सकती है सर!

तो हमसे खेलो न!
कौन हो तुम लोग? क्या चाहते हो?
तुमसे खेलना चाहते हैं। मौत का खेल! तुम जीते तो हम तुम्हारे मालिक और हम जीते तो तुम हमारे गुलाम!
ओ! जोकर हो तुम लोग! बताओ कौन सा खेल खेलोगे? पकडम-पकड़ाई या पिट्टम-पिटाई?
हम खेलेंगे...
स्टेच्यू!
हम जीत गए! हम जीत गए!!
अब जो हम कहेंगे इसे करना पड़ेगा।
तो चलो! खेलते हैं। मौत का खेल!
अ...एक मिनट, इंस्पेक्टर खान!

अ...अगर आपको ज्यादा जल्दी नहीं तो मैं आपके दो मिनट चाहूंगा।
अरे! आप रूकते क्यों नहीं...व्हाट? इनकी आंखें तो उसी लड़की की तरह...यानी...
देखो। ह..हम सिर्फ उनको मारते हैं। जो जनता का पैसा ऐसे ही चूसते हैं। जैसे खून को जोंक!
तुम लोग कौन हो?
यानी...वह मृत लड़की जो कुछ भी कह रही थी, वह सच था!
HUNDRED PERCENT! पर... पर हम अच्छे आदमी हैं।
अगर मैं ये मान भी लूं तो तुमको उन्हें सजा देने का अधिकार किसने दिया है? ये हक सिर्फ कानून को है!
सही कहा, ध्रुव भाई! एक दम सही। हम एकदम कानून के हिसाब से चलते हैं। पहले हम उनसे गरीबों से लूटा पैसा वापस करने को कहते हैं!
फिर भी वो नहीं मानते तो फिर कानून के हिसाब से सजा तो बनती ही है न!
...कुछ गड़बड़ जरूर है?
इसके साथ भी खेलें?
नहीं। अभी इससे गेम खेलने का नंबर नहीं आया है।
तुम इंस्पेक्टर को लेकर आगे जाओ, थ्री! इसको हम समझाते हैं।

किस कानून के हिसाब से?

महामाफिया का कानून! अब हमे जाने दो! हम भी तुम्हारी तरह ही अपराधियों से लड़ते है न! अब हमारी ईज्जत, हमारी टोपी तुम्हारे हाथों में है, ध्रुव भाई।

महामाफिया का कानून? बकवास छोड़ो और पुलिस स्टेशन के अंदर चलो!

आप बड़े आदमी हैं। हम छोटों को तो आपकी बात माननी ही पड़ेगी। चलें!

अरे! पुलिस स्टेशन तो इधर है। उधर कहां जा रहे हो? क्या है उधर?

अस्पताल।

अस्पताल क्योंऽऽ??

आऽऽऽऽह!!!

क्योंकि जो हमे थाने ले जाना चाहता है। उसे अस्पताल होकर जाना पड़ता है।

ये...ये तो सर्कस ट्रिक थी! यानी तुम लोग सर्कस से भागे हुए हो।

नहीं नहीं। हम धीरे-धीरे चल कर आए थे!

बस, बहुत हो गया!!....

अगर तुम लोग जबर्दस्ती चाहते हो...

ऊम्फ! ये लड़ाई कर रहे हैं या शरारत!
अब ये क्या करेगा?
ये तो सर्कस जैसी कॉमिक स्टाइल में लड़ रहे हैं। समझा!
ये सिर्फ मुझे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। ये मुझे इंस्पेक्टर खान तक पंहुचने से रोकना चाहते हैं।
पर इंस्पेक्टर सुहेल खान से ये करवाना क्या चाहते हैं और उसको इन्होनें इतनी आसानी से अपने वश में कैसे कर लिया?
क्या सचमुच इनके पास 'स्टेच्यू' जैसी कोई पॉवर है? इनसे हर सवाल का जवाब पाना जरूरी होता जा रहा है।

देश की युवा शक्ति बढ़ती जा रही है!
क्या खत्म कर देना चाहिए सभी वृद्धों को...?
राज रजत वर्ष
ओल्ड इज गोल्ड

शाप जन्म जन्मांतर तक पीछा नहीं छोड़ते।
कहानी एक वन रक्षक की जो बन गया है...
राज रजत वर्ष
शापित रक्षक

"और वहां पर हमारा काम आराम से हो जाएगा"

ध्रुव को इस षडयंत्र के पैदा होने तक का पता नहीं था।

इंस्पेक्टर खान। तुम इस वक्त? क्या कोई खास बात है।
हां, तनेजा जी! फोन करने वाले का पता चल गया है और उस हत्यारे का भी!

REALLY? THATS... THATS GREAT NEWS! कौन है। वह वसूली वाला और उसने किसको भेजा था?

मुझे! चिल्लाना मत, वर्ना भाभी जी जग जाएंगी।

O MY GOD
ये...ये इंस्पेक्टर खान क्या कर रहे हैं??
इतने खुलेआम तो कोई माफिया डॉन भी किसी की हत्या नहीं करता?
तनेजा को धमकी देने वाले का तो पता नहीं चला-

पर हत्या करने वाले का पता, सबको चलने वाला था-
THANKS DHRUVA!
मतलब...हत्या की कोशिश करने वाले का!
बस, यूं समझ लीजिए कि इसको यहां पर भेजने वालों से मेरी मुलाकात हो गई!
पहले तो मैं उनके पीछे जा रहा था, पर फिर मैंने तय किया कि पहले मुझे षडयंत्र को रोकना होगा और बाद में षडयंत्रकारियों को। इसी तरह के एक केस के बारे में मैंने आज ही सुना था!
पर अब तो बता दो कि ये सब क्या चक्कर है? तुमको ये पता कैसे चला कि मेरा रक्षक ही मेरा भक्षक बनने वाला है।
मैंने तुरंत पुलिस हेडक्वार्टर से इंस्पेक्टर सुहेल खान की ड्यूटी के स्थान का पता किया और तुरंत यहां पर आ पहुंचा!
बस, किस्मत मेरे साथ थी कि मैं इसके यहां आने से पहले यहां पर आ सका!

अब इनको पहले कड़ी सुरक्षा में अस्पताल ले जाओ और वहां से पुलिस हेडक्वार्टर!मैं जल्दी ही वहां पर...

स्टेच्यू!

पकड़ो इसे
और सबसे पहले इसका
मुंह बंद करो!!

ओऽऽऽम ह्वीं
प्रकाशाय...

आऽऽह!
बड़ाम
ये....ये तो
तनेजा की आवाज
थी।

O GOD! वो...वो जाते-
जाते अपना काम कर ही गया।
तुरंत एंबुलेंस बुलाओ।
वो नीचे
ही खड़ी है!

इंस्पेक्टर
सुहेल कहां
गया?
पता नहीं!
इन्हें
संभालो!

OPERATOR तुमने C.C.T.V. सिस्टम पर देखा होगा कि इंस्पेक्टर किधर गया है।
वो अभी-अभी अंडर ग्राउंड पार्किंग में जाते दिखे थे।
सुहेल खान! रूक जाओ!!
इससे पहले कि ये किसी नई शक्ति का इस्तेमाल करे...
मुझे इस को काबू में कर लेना...
उम्मफ्!
कुलाची के रहते तू इंस्पेक्टर को रोकना तो दूर, छू भी नहीं सकता, बच्चे!
अब ये मुसीबत कहां से आ गई! और...और ये सख्त पहरे को भेदकर अंदर कैसे आ गई?

इसका तो पता चल ही जाएगा। फिलहाल तो मुझे सुहेल खान को अपने कब्जे में लेना है। क्योंकि इस वक्त सारे तार उसी से जुड़े हुए हैं।
O HANDSOME! मुझे छोड़कर उस इंस्पेक्टर के पीछे क्यों पड़े हो?

आखिर ऐसा क्या है उस मुए में, जो मुझ में नहीं है?
अब मुझे भी एक औरत का फर्ज निभाना पड़ेगा! और वह है। गलत रास्ते पर जा रहे मर्दों को रोकना।

फूSSSS
वैसे तुम्हारी कोई गलती नहीं है।
इस उम्र में पैर फिसल ही जाते हैं।

तुम्हे जिसने भी भेजा है, वह ये जानता है कि ध्रुव लड़कियों पर हाथ नहीं उठाता! बेशर्म लड़कियों पर भी नहीं। क्योंकि मुझे...

आजाद होने की कोशिश की तो खाल कट जाएगी! ये नायलो स्टील की स्टार लाइन है।
उसकी जरूरत ही नहीं पड़ती!

अरे, ये तो तुम्हारी चाहत के कच्चे धागे की डोरी है जो कुलाची बंध गई!
वर्ना कुलाची को तो हीरा भी छू ले...
अरे! मैं....मैं अपनी गति को कंट्रोल नहीं कर पा रहा हूं!
...तो गल जाए!
ओफ्! ये तो पूरी तैयारी के साथ आई है।
नहीं कर पाएगा, हैंडसम! क्योंकि तेरे जूतों के नीचे मैंने जो पाऊडर की पर्तें चिपकाई हैं, उसने तेरे जूतो को 'घर्षण रहित' कर दिया है।
जीरो फ्रिक्शन!
अब तू सिर्फ पिट सकता है!

मैं बगैर इसको काबू में
किए सुहेल खान तक नहीं पहुंच सकता।
वैसे भी, सुहेल का जीप लेकर यहां से बाहर जा
पाना असंभव है। सिक्योरिटी एलर्ट हो गई है
और गेट्स बंद कर दिए गए हैं।

मैं जानती थी
कि तुम कोई न कोई
रास्ता ढूंढ लोगे!
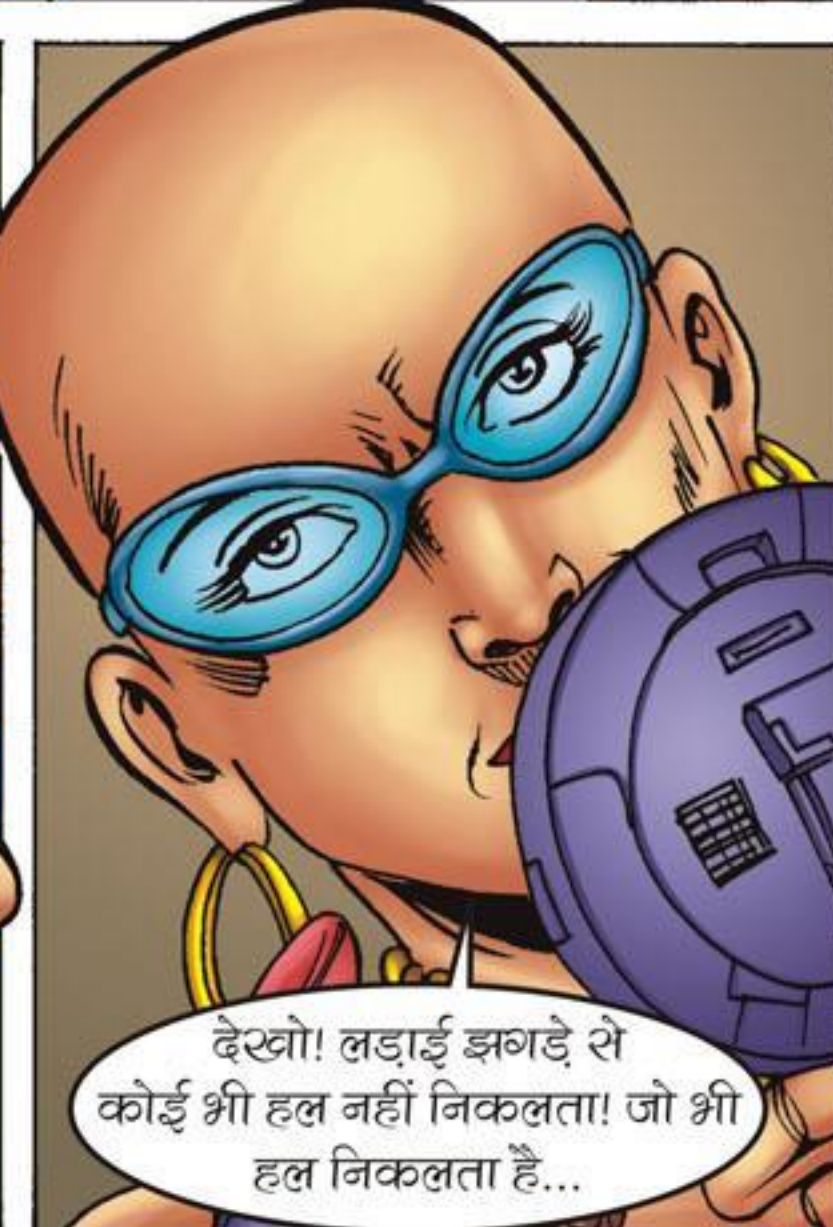
देखो! लड़ाई झगड़े से
कोई भी हल नहीं निकलता! जो भी
हल निकलता है...

पुच्च..
वह प्यार से
निकलता है।

ओफ्! ये तो किसी
किस्म की विस्फोटक रिंग्स
छोड़ रही है।
समझ में नहीं
आता कि तुम्हारा गुस्सा
ज्यादा खतरनाक है
या तुम्हारा प्यार!

ये समझना तो तुम्हारा काम है, हैंडसम! अब तुम हमें समझने की कोशिश करो, तब तक मैं इंस्पेक्टर को सही जगह पर ले जाती हूं।
ये बंगला सुरक्षाकर्मियों द्वारा सील किया जा चुका है। अब यहां से किसी का भी भाग पाना असंभव है।
इसलिए फिलहाल मुझे इसके भागने की चिंता छोड़ कर अपने बचाव पर ध्यान देना चाहिए! वैसे भी...
...अगर ये जीप से भागने की प्लानिंग कर रही है।
"...तो इसके प्लान को फेल करने के लिए मेरी बाईक का 'ऑटो नोविगेशन सिस्टम' ही काफी है!"
ओह! अब ये शायद सुहेल खान को पैदल ही ले जाना चाहती है! इसको फिर रोकना होगा।
ओह! ये क्या?

ओफ्! धुंए में बाईक के सेंसर्स काम नहीं करेंगे! अब मुझे ही कुछ करना होगा!

हा हा! मेरे 'ग्लासेस' धुंए के पार भी देख सकते हैं, पर ध्रुव की आंखें नहीं। पर...पर ध्रुव ये कर क्या रहा है।

"कहीं ये धुंए से बेहोश तो नहीं हो रहा है।"
यस! मैं कुलाची के पैरों की आवाज सुन सकता हूं। और उसकी दूरी और गति का अंदाजा भी लगा सकता हूं।

अब इसको अपने ही वार का स्वाद चखना पड़ेगा।

अरे...अरे... आऽऽऽऽ।

अहSSS!
धम्ममSSSS
हो गई बेहोश! साथ में कई कदमों की आवाजें हैं। भारी जूतों की। यानी सिक्योरिटी वाले भी आ रहे हैं।
गिरफ्तार कर लीजिए इस लड़की को।
मुझे तो इन मूंछो से ये लड़की कहीं से नजर नहीं आते!
ये नहीं। लड़की जमीन पर बेहोश पड़ी है।
यहां तो कोई नहीं है।
अरे, सचमुच! कहां गई वह लड़की? वह तो बेहोश थी। अपने आप जा भी नहीं सकती थी।
तुम किस लड़की की बात कर रहे हो, ध्रुव? हमारे रहते कोई भला कैसे अंदर आ सकता है? ऊपर से न तो कोई नीचे पार्किंग में आया है और ना ही ऊपर गया है।
वैसे, इस उम्र में मुझे भी हर जगह लड़कियां नजर आती थीं।
हुम! ये भी हो सकता है। कुछ भी हो सकता है।

वैसे मैं इंस्पेक्टर सुहेल खान का बयान सुनने में काफी इंटरेस्टेड....

ओह! आप...

यहां पर भी!!

आप हर उस जगह पर कैसे पहुंच जाते हैं, जहां पर ऐसी घटना घट रही हैं।
जैसे मछुआरे वहां पंहुच जाते हैं जहां मछली मिले! क्योंकि वही उनका काम होता है!
अ...व्हाट!

ऐ! तुम लोग मुझे पकड़े क्यों हो? और...और मैं यहां कैसे आ गया?
दरअसल आप...
एक मिनट, ध्रुव!...

बेहतर होगा इंस्पेक्टर सुहेल, अगर हम कहीं एकांत में बात करें!
तू कौन?
ये...अ...एक एक्सपर्ट हैं। हम इनके साथ चल सकते हैं।
पर... ये हो क्या रहा है?

ये...
ये सब मैंने किया? असंभव! असंभव! मैं ऐसा नहीं कर सकता। कोई मुझे सम्मोहित करे, तो भी नहीं। पर...कैमरे झूठ नहीं बोलते।
आपको अगर ये सब नहीं, तो फिर क्या याद है?
मुझे बस, चार आदमी... नहीं...उनमें से एक औरत थी, वे याद हैं और उन्होने कहा था.... अ..हां! स्टेच्यू!
बस, फिर मुझे कुछ याद नहीं। फिर मुझे पार्किंग के बाहर ही होश आया है।

जरा अपने हाथ तो दिखाईए इंस्पेक्टर!

कमाल हैं इनमे तो....
इनमें क्या ढूंढ रहे हो, ध्रुव! तेज प्रकाश का राज?

यानी...यानी आप समझते हैं कि वह लड़की सिर्फ मेरे दिमाग की उपज थी खैर, आप C.C.T.V. की फुटेज देखिए। फिर आपको यकीन आएगा।

सॉरी, ध्रुव! पार्किंग में लगा कैमरा सिर्फ ऐंट्रस पर नजर रखता है और उसके अनुसार पार्किंग में पुलिस वालों के अलावा सिर्फ दो लोग और आए थे। जीप में इंस्पेक्टर सुहेल और तुम!

पर... पार्किंग में तो एक ही ऐंट्रस है। फिर वह लड़की कहां से आई और कहां गई?

वह लड़की न कहीं से आई और न कहीं गई।

वह लड़की कहीं थी ही नहीं, ध्रुव! तुमने सिर्फ ऐसा महसूस किया!!

किसी पारलौकिक शक्ति के कारण।

सॉरी, ध्रुव! इंस्पेक्टर सुहेल खान को हमे कस्टडी में लेना पड़ेगा! बाकी पूछताछ पुलिस हेडक्वार्टर में होगी!

मैंने...कुछ नहीं किया!

मुझे बचा लो, ध्रुव! मैं निर्दोष हूं।

इंस्पेक्टर सही बोल रहा है, ध्रुव! ये सिर्फ एक कठपुतला है। एक मोहरा। चाल कोई और ही चल रहा है।

कौन?

बौना! अद्भुत शक्ति धारक बौने! कम से कम अभी तक तो मैं यही जानता हूं।

अब मैं आपसे साफ साफ जानना चाहता हूं कि आप क्या जानते हैं। और क्या चाहते हैं?
अब मैं भी तुमको यही बताना चाहता हूं...

"क्योंकि शायद तुम्हारी मदद के बगैर मैं अपना एसाइनमेंट पूरा नहीं कर पाऊंगा।"
मैं एक ऐसी अंतर्राष्ट्रीय संस्था के लिए काम कर रहा हूं जिसका नाम मैं तुमको नहीं बता सकता। इस संस्था को दुनिया के 68 देश सपोर्ट करते हैं।
हमारी संस्था का काम हर उस मामले की छानबीन करना है जो विज्ञान की सीमा से परे हैं। हर उस शक्ति का कारण जानना है जो भौतिकी परिभाषा से परे हैं।
जैसे मंत्रों की शक्ति या वे शक्तियां जिनको तुम जादुई कहते हो!

'स्टेच्यू' की पॉवर के बारे में हमने करीब सात साल पहले पुर्तगाल में सुना था। इसका प्रयोग करके बौनों ने 'अल्यूमीनियम ओर' से लदी एक शिप को डुबो दिया था। उसके कैप्टेन को 'स्टेच्यू' कर के। उस वक्त हमको यह एक मनगढ़ंत कहानी लगी थी।
लेकिन उस के बाद ऐसी और अपुष्ट खबरें सुनाई दीं और हर बार 'स्टेच्यू पॉवर' के साथ-साथ बौनों की नई-नई शक्तियों का भी पता चलने लगा।
मैं पिछले चार सालों से इनका पीछा कर रहा हूं।

और अब जाकर मैं इनको यहां पर पकड़ पाया हूं।
इनकी शक्तियों पर शोध करने के लिए इनका पकड़ा जाना जरूरी है और इनको पकड़ने के लिए यह जानना जरूरी है कि इनका अगला निशाना कौन है!

आप जो कुछ बता रहे हैं, उस पर यकीन करना मुश्किल तो है...
पर मैं ऐसी शक्तियों से दो चार हो चुका हूं, जो इस से भी ज्यादा अजीबोगरीब थीं। इसीलिए पता तो करना पडेगा!
ध्रुव को बौनों का पता करने के लिए ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता नहीं थी।
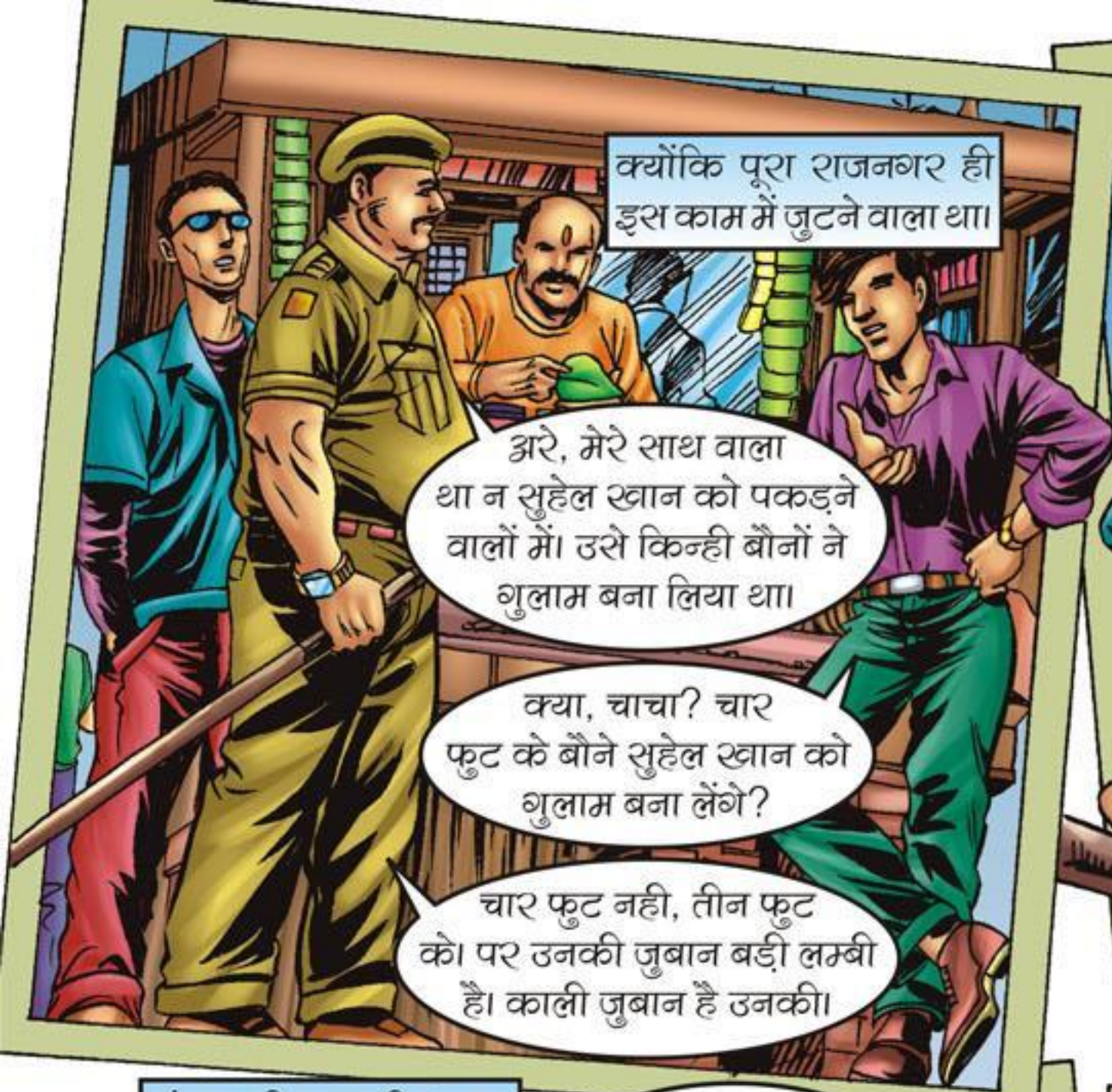
क्योंकि पूरा राजनगर ही इस काम में जुटने वाला था।
अरे, मेरे साथ वाला था न सुहेल खान को पकड़ने वालों में। उसे किन्ही बौनों ने गुलाम बना लिया था।
क्या, चाचा? चार फुट के बौने सुहेल खान को गुलाम बना लेंगे?
चार फुट नही, तीन फुट के। पर उनकी जुबान बड़ी लम्बी है। काली जुबान है उनकी।
बौने जिसे 'स्टेच्यू' बोल देते हैं, वह बौनों का गुलाम बन जाता है। फिर वे उससे कत्ल करवाएं या चोरी।
पर...ऐसा न्यूज में तो नही था।
खबर छुपाई जाती हैं, भईए! ये तो अंदर की बात है जो हम तुमको बता रहे हैं।
जंगल की आग भी शायद इस खबर से धीरे फैलती।
हां बहन जी, सावधान रहें। वे बौने आपको 'स्टेच्यू' कहेंगे और आप अपने ही घर में चोरी कर लेंगी।
आय हाय! हम तो इनकी बात तक न मानते। उनकी काहे मानेंगे?
उनके पास तंतर-मंतर है, बहनजी! वो जो कहेंगे आप करेंगी। और आपको कुछ याद भी न रहेगा।
राम राम! जब तक वो बौने हैं तब तक हम घर से बाहर भी न निकलेंगी।
हम तो बच्चों को भी बाहर नहीं निकलने देंगी...
और इनके कानों में रूई डाल कर ऑफिस भेजेंगी!
राजनगर में दहशत फैल रही थी-
पर पुलिस की नजर में ये एक अफवाह थी।
हम ये साफ कर देना चाहते हैं कि यह सच है कि बर्खास्त इंस्पेक्टर सुहेल खान ने जो किया वह भ्रम की स्थिति में किया। परंतु उसके पीछे किन्ही रहस्मय बौनों का हाथ नहीं है।
आप लोग ऐसी किसी अफवाह पर ध्यान न दें और न ही ऐसी किसी चीज से डरें।
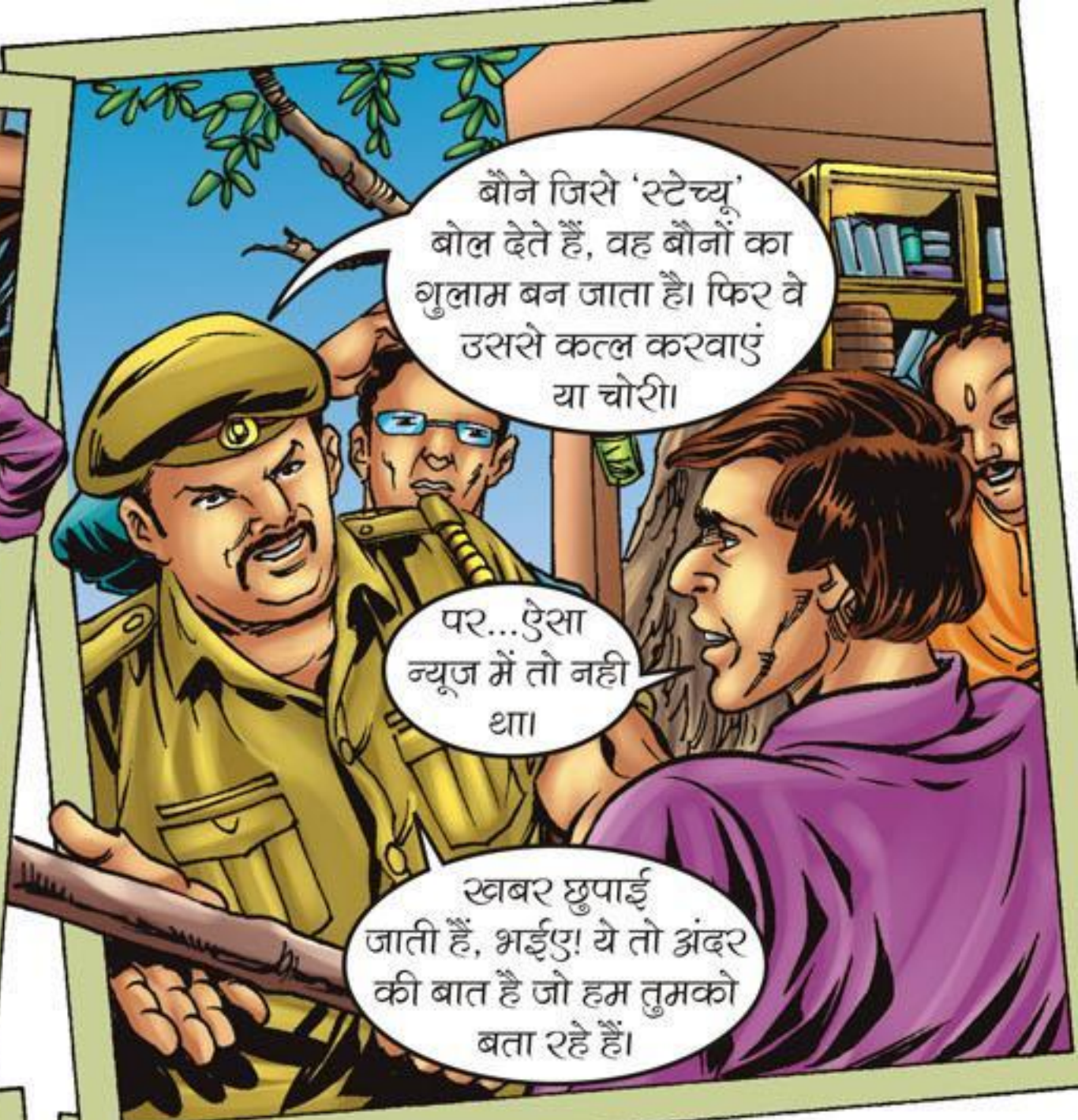
पुलिस की सफाई पर 'अफवाह' का डर भारी पड़ रहा था।
यही है! मारो इसे! ये मुझसे कुछ कहने की कोशिश कर रहा था।
अरे भाइयों, मैं 'बीमा पॉलिसी'...
मुंह बंद कर इसका! वरना कहीं इसने वो क्या...हां...'स्टेच्यू' बोल दिया तो।
अरे..मैं... उम्मफ!
अरे। ये क्या कर रहे हो?...

क्यों मार रहे हो इसको?
तुम इसे जानते नहीं हो, ध्रुव ये वही बौना है जो लोगो को गुलाम बना लेता है।
भाई, मैं तो इंश्योरेंस एजेंट हूं। आप लोगो को पॉलिसी के फायदे समझा रहा था।
देखा! आप लोगों ने। ए.सी.पी. साहब की अपील नहीं सुनी? उन्होने ऐसी किसी भी सूचना से इंकार किया है।
सॉरी, बीमा भाई।
अब सब से पहले मैं अपनी पॉलिसी ही निकलवाऊंगा।

"भय का स्तर बढ़ रहा है।"
"और अगर ऐसा ही चलता रहा तो राजनगर में सिर्फ आतंक और अविश्वास का राज होगा।"
TDIK
ये है तो मेरा बेस्ट फ्रेंड! पर सुना है कि बौने हत्या करने के लिए शिकार के विश्वास पात्र को ही चुनते हैं।
विकास कुछ अजीब सा बिहेव कर रहा है। कहीं इसे बौने तो नहीं मिल गए?

ऐ...व... वहीं रुक जा! रुक जा!!
अब मैंने क्या किया, मम्मी?
तुझे...तुझे बौने मिले थे? उन्होंने तुझे, मुझको मारने के लिए...
ये क्या बोल रही हो मम्मी? मुझे कोई नही मिला था।
फिर...फिर तेरे हाथ मे चाकू क्यों है?
कटर है, मम्मी! मैं रास्ते मे पेंसिल छीलता आ रहा हूं। आप तो...
ठी...ठीक है। मै तो यूं ही... हा हा हा। मजाक कर रही थी।

हद है! दस बसें गुजर चुकी हैं। और वह अभी तक नहीं आया! पता नहीं लोग डेटिंग कैसे करते हैं? अपने से तो...
BUS STOP
हेऽऽ जाने मन!

ये मक्खन मलाई बदन बस में जाने के लिए नहीं बना है! आजा, बाईक भी है, ड्राईवर भी है।
तेरा बदन भी अभी अर्थी पर जाने के लिए नहीं बना है। फूट ले।

हाऽऽऽय! अर्थी पर तो चढ़ना ही पड़ेगा। हम तुम पर मर जो मिटे हैं, बेबी!

क्या हुआ, फंटिया? हसीना मानती नहीं?

हसीना मान जाएगी, तोला! वर्ना तू तो जानता है। कि हम हसीन मुंह को इतना सुजा देते हैं कि हसीना न बोल ही नहीं पाती।

थैंक्यू।
अनपढ़ है क्या? 'थैंक्यू' नहीं 'सॉरी' बोल!
थैंक्यू!
थैंक्यू क्यों?
मेरा टाइम पास करने के लिए!
और मेरे गुस्से को झेलकर मुझे रिलैक्स करने के लिए!
अ...माफ कर दे! तू...तू है कौन मेरी मां!
तुम जैसे ब्लैक बेल्ट की बेल्ट उतारने वाली....
नताशा!
ये...ये क्या हो रहा था? ये किस्मत के मारे तुमको छेड़ रहे थे क्या?
ये लड़के तुमको बचा रहे थे! इन्होंने मेरा गुस्सा अपने ऊपर झेल लिया!
वर्ना ये हाल तुम्हारा होने वाला था!
मैंने तुमको कब छेड़ा?
अब तक नहीं छेड़ा, इसलिए! बताओ, पंद्रह मिनट लेट क्यों हुए?

अरे, मैं तो तुम्हारा मैसेज आते ही चल दिया था! पर रास्ते में एक छोटी हाइट का आदमी भीड़ में पिट रहा था। उसे बचाने में देर हो गई।

लोग भी न, डर को ढूंढते हैं। बौने हों या न हों, उनको अपने दिमाग में पैदा कर लेंगे। स्टुपिड फैलोज़! पुलिस झूठ बोल रही है, क्या?
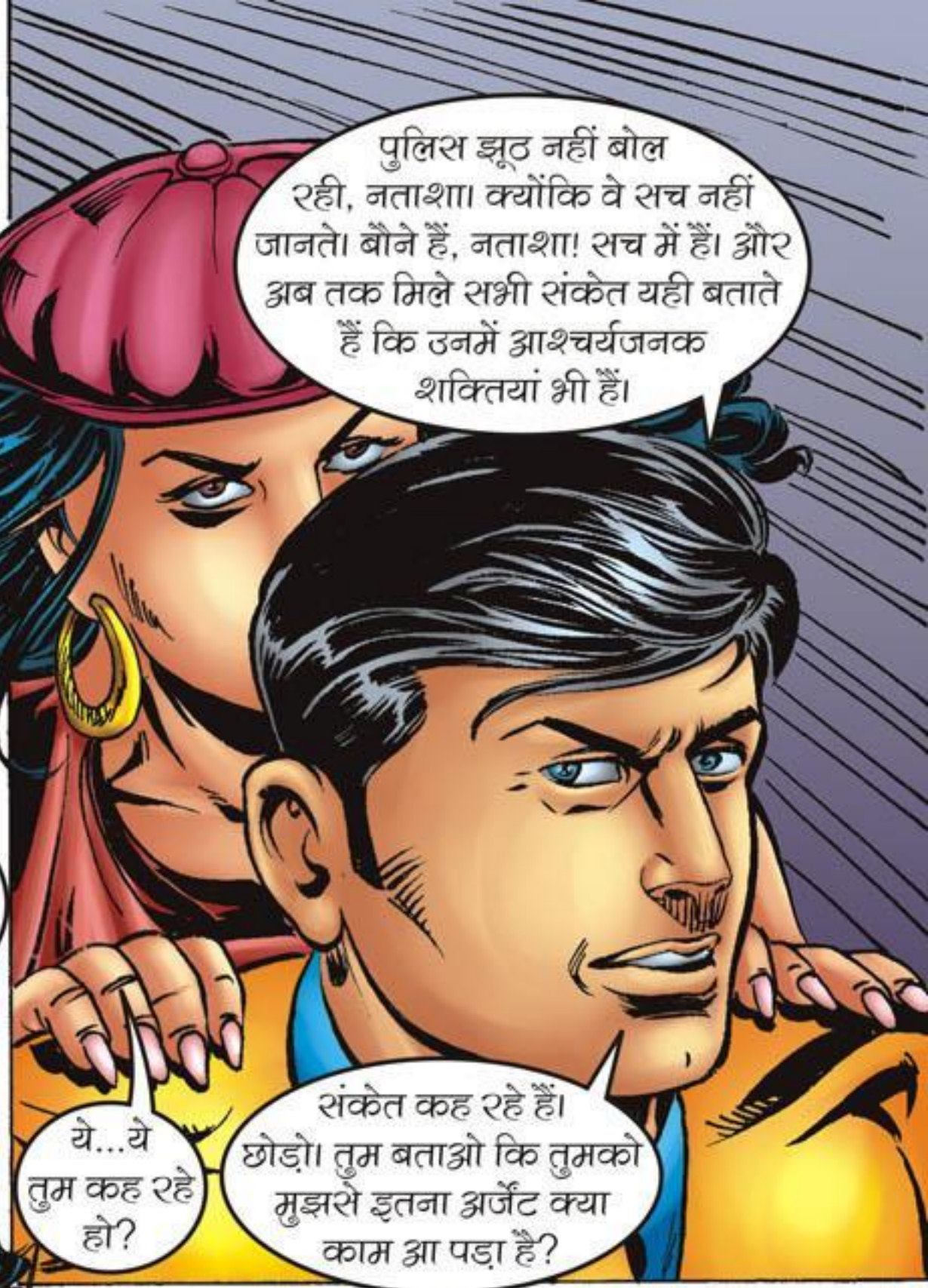
पुलिस झूठ नहीं बोल रही, नताशा। क्योंकि वे सच नहीं जानते। बौने हैं, नताशा! सच में हैं। और अब तक मिले सभी संकेत यही बताते हैं कि उनमें आश्चर्यजनक शक्तियां भी हैं।

ये...ये तुम कह रहे हो?

संकेत कह रहे हैं। छोड़ो। तुम बताओ कि तुमको मुझसे इतना अर्जेंट क्या काम आ पड़ा है?

यहीं बाईक पर चिल्ला चिल्लाकर बताऊं?

ओ.के.! मुझे पता था। इसीलिए हम कमांडो हेडक्वार्टर जा रहे हैं। कांफ्रेंस रूम में आराम से कॉफी पीते हुए बात करेंगे।

आराम से? तुमको क्या लग रहा है, कि मैं खामखाह टेंशन में हूं।

अब बताओ! क्या समस्या है, नताशा?
मेरे पास आज ही खबर आई है। डैड बहुत बीमार हैं! शायद बचेंगे नहीं।

रोबो बीमार है!! भला रोबो को क्या हो सकता है?
उनके दिल में प्रॉब्लम है। उनको एक अर्टिफीशियल फाईबर चैम्बर हार्ट लगाया गया है। पर वह सही तरीके से काम नहीं कर रहा।

ये खबर तुमको रोबो ने खुद दी है।
नहीं! डैडी से तो मुझे बात किए जमाना हो गया! मुझे तो ये भी नहीं पता कि वे इस वक्त कहां हैं!
रोबो आर्गेनाईजेशन में अभी भी मेरे कुछ वफादार हैं। वे ही समय-समय पर ऐसी जरूरी जानकारी मुझ तक पंहुचाते रहते हैं।

रोबो की हालत ही तुम्हारी समस्या है।
हां! अगर डैड को कुछ हुआ तो मुझे वापस जाना होगा।

व्हाट?
वापस जाना पड़ेगा! क्यों? अब तुम्हारी दुनिया यहां पर है, नताशा।
इस दुनिया में मेरे लिए कुछ भी नहीं है।
मेरा प्यार भी नहीं?
प्यार है, पर इस प्यार की कोई मंजिल नहीं है। हमारी शादी संभव नहीं है, ध्रुव! और...मैं किसी उदेश्यहीन उम्मीद के भरोसे जीवन नहीं काट सकती!
धीरज रखो, नताशा! हमारी शादी होगी! जरूर होगी! पर सही समय आने पर! अभी हम उस जिम्मेदारी के लिए तैयार नहीं हैं।

तुम्हारा प्यार मुझ पर तुम्हारा भरोसा है, ध्रुव! पर दुख तो इस बात का है कि वह भरोसा मुझे तोड़ना पड़ेगा! तोड़ना ही पड़ेगा!

तुम....मेरा प्यार छोड़ दोगी!! मेरा भरोसा तोड़ दोगी।
मजबूरी है, ध्रुव! अगर डैड नही रहे, तो रोबो आर्मी कई भागों में टूट जाएगी। उसमें कई नए खूंखार लीडर पैदा हो जाएंगे! फिर दुनिया को एक नहीं, दर्जनों रोबो आर्मी से निपटना पड़ेगा। आतंक की वैसी लहर दुनिया ने कभी सोची तक नहीं होगी।
पर अगर डैड के बाद मैंने रोबो आर्मी का चार्ज ले लिया तो ऐसा कुछ नहीं होगा। मेरे सामने कोई सर उठाने की हिम्मत नहीं करेगा।
अजीब तर्क है। पर दमदार है।
तो...मै चलूं? अपने रास्ते! डैड का पता ढूंढना है!

ओह! आ...आई एम सॉरी!

मैं अपने ख्यालों में इतना खोई हुई थी कि...

अपने ...या ध्रुव के!
एक्सक्यूज मी?
तुम नताशा हो न?
ह...हां! पर आप...?

मै...ध्रुव का कजिन हूं। तरूण! तुम्हारी एक फोटो श्वेता ने नेट पर मेरे मेल एकाउंट में भेजी थी। पर....तुम इतनी उदास क्यों दिख रही हो?
आ...बस, कुछ खास नहीं। वैसे आपसे मिलकर खुशी हुई। अब में चलती हूं। टैक्सी!

TAXI
TAXI
अरे! ये क्या? टकराने से नताशा की घड़ी गिर गई है!

अरे! ये तरुण
भाई क्या दिखा रहे हैं।
रोको, भाई!

अरे! तुम टैक्सी
रोकते क्यों नहीं? रोको,
टैक्सी!

स्टेच्यू!

ये तो
बौनों में से
एक है।

अबे...
अबे!! ये क्या है,
भाई?

कैप्टेन।
कैप्टेन!! नताशा मैडम पर किडनैप एटेंप्ट हुआ है। एक आदमी उन को बचाने में घायल भी हो गया है।
मैं भी कोशिश करता। पर मैंने न्यूज आप तक पहुंचाना ज्यादा जरूरी समझा।
किसने ऐसी कोशिश की है?
एक बौने टैक्सी ड्राईवर ने!
बौना!!
इन लोगों को सावधान करना पड़ेगा कि ये बौना कौन है?
अरे, ये 'स्टेच्यू' वाला बौना है। इससे उलझने की कोशिश मत करना!

वही बौना!

जो 'स्टेच्यू' बोलता है!!

फिर गुलाम बना लेता है।
फिर चोरी करवाता है। हत्या करवाता है।

ये हमारी भी यही हालत कर देगा! भागो।

कहां गया वह बौना?
आई....आई एम सॉरी, ध्रुव! ये शायद मेरी गलती की वजह से हुआ है।
तरूण जी! आप यहां पर कैसे?

मैंने दरअसल लोगों को बचाने की कोशिश की थी। पर भगदड़ मच गई!
दरअसल मैं यहा पर तुमको ये दिखाने आया था। यह गैजेट हमारी डेनमार्क ब्रांच ने डेवलप किया है। ये बौनों द्वारा पैदा की गई खास साउंड वेव्स को मैच कर सकता है और उनकी एंटी वेव्स बनाकर उस असर को खत्म कर सकता है।
पर यहां आते ही मेरी मुलाकात नताशा से हो गई। फिर टैक्सी वाले बौने द्वारा उसके अपहरण का प्रयास किया गया। मैंने उसे रोकने की कोशिश की! टैक्सी टकराई और रुक गई। फिर वह नताशा को लेकर न जाने कहां भाग गया।
भागेगा कहां? पर यह समझ में नही आया कि नताशा को कब्जे में लेकर बौने आखिर किसको नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।
जहां तक मैं जानता हूं नताशा के करीब तो सिर्फ दो ही लोग हैं!
एक तुम, और दूसरा...
रोबो!
क्या ये संयोग है? अभी नताशा ने मुझे रोबो की खराब हालत के बारे में बताया और अभी उसका अपहरण हो गया!!
किस सोच में पड़ गए ध्रुव? सुनो! अगर नताशा बौनों के चुंगुल में है तो अब हमारे पास उसको आजाद कराने का रास्ता भी है!
ये 'वॉयस कमांड कैंसेलर'! इसका प्रयोग 'कम्प्यूटराइज्ड वायस पासवर्ड' को खोलने के लिए किया जाता है! ये 'वॉयस कमांड' की विपरीत साउंड वेव्स बनाता है।
इसमें मैंने एक बौने की आवाज रिकार्ड कर ली है और इसने उस आवाज की 'कैंसेलेशन वॉयस' बना ली है।
अब अगर हम नताशा को ढूंढ सकें तो हम उसको बौनों के 'स्टेच्यू' कमांड से आजाद कराके उसको कुछ भी गलत करने से रोक सकते हैं!

"पर नताशा को बौने कहां ले गए हैं, इसका पता चल पाना बहुत मुश्किल है।"

हम ज्यादा देर तक इंतजार नहीं कर सकते।

इंतजार तो करना ही होगा!

ये ऑपरेशन शुरू से ही कुछ अपशकुनी है। पिछली बार तो किस्मत से भगदड़ मच गई जो मैं बच गया। हर बार किस्मत हमारा साथ नहीं देगी।

और ये मनहूस है भी ध्रुव की गर्लफ्रेंड! हमने मधुमक्खियों के छत्ते में पत्थर मार दिया है।

जब तक छत्ते में हाथ नहीं डालेंगे, तब तक शहद कैसे मिलेगा? असली काम तो अब शुरू हुआ है। पहले वाला काम तो सिर्फ प्रैक्टिस सेशन था। उसने वादा किया है कि इस ऑपरेशन के बाद हमारी जिंदगी बदल जाएगी।

पर हम रुके नहीं।

क्या चाहिए तुमको?

रोबो!

अंदर आ जाओ।

सिर्फ एक ही शख्स बोलता है!...

कमांडर नताशा!! ग्रीटिंग्स सुप्रीम कमांडर! एंड अपोलॉजीस!!

पर आपको इस तरह से आने का जरूरत क्यों पड़ी?

और आपको राजनगर के इस अत्यंत गुप्त अड्डे का पता कैसे चला?

मुझे रोबो से मिलना है।

तो ये है दरवाजे के पीछे की कहानी!
ये कौन है? अंदर कैसे आ गई?
अरे कोई इस को बाहर निकालो। इस वक्त यहां पर अगर जरा सी भी गड़बड़ हुई तो 'प्रोडक्ट' बेकार हो जाएगा।
मुझे यही करना है।
तुम...तुम जानती हो 'प्रोडक्ट' के बारे में? कौन हो तुम?
धड़ाक
तड़ाक
तुम्हारे बाप की बेटी!
मैं आई तो थी रोबो से इसी का पता उगलवाने! पर मुझे पता नहीं था कि काम यहीं पर हो जाएगा!
अब मैं इस प्रोडक्ट को
यहीं पर टर्मिनेट कर दूंगी।
खुद प्रोडक्ट!
नताशा को रोकने वाला कोई नहीं था। अब 'प्रोडक्ट' को टर्मिनेट होने से सिर्फ एक ही शख्स बचा सकता था।

तुम मुझे मारना क्यों चाहती हो, नताशा?
तू...मुझे जानता है? गुड!
अब कम से कम तुझे अपनी मौत का नाम तो पता है...
मौत बेनाम हो तो न मरने वाले को मजा आता है और न ही मारने वाले को!!
आऽऽऽऽह!
तुझ पर...तुझ पर 11,000 वोल्ट के झटके का भी असर नहीं हुआ...
तू सचमुच में वैसा ही अजीबो-गरीब है जैसा मुझे बताया गया था...

तुझमें आम वारों से बच सकने की अद्भुत क्षमता है। तुझ पर धारदार तलवार और शायद गोलियां भी बेअसर साबित हों।

"...पर सुपर स्ट्रांग एसिड एक्वारेजिया का यह बादल, तेरी किसी चालाकी को चलने नहीं देगा।"

प्रोडक्ट में अंजान शक्तियां तो जरूर थीं! पर था तो वह दस साल का एक बच्चा ही!
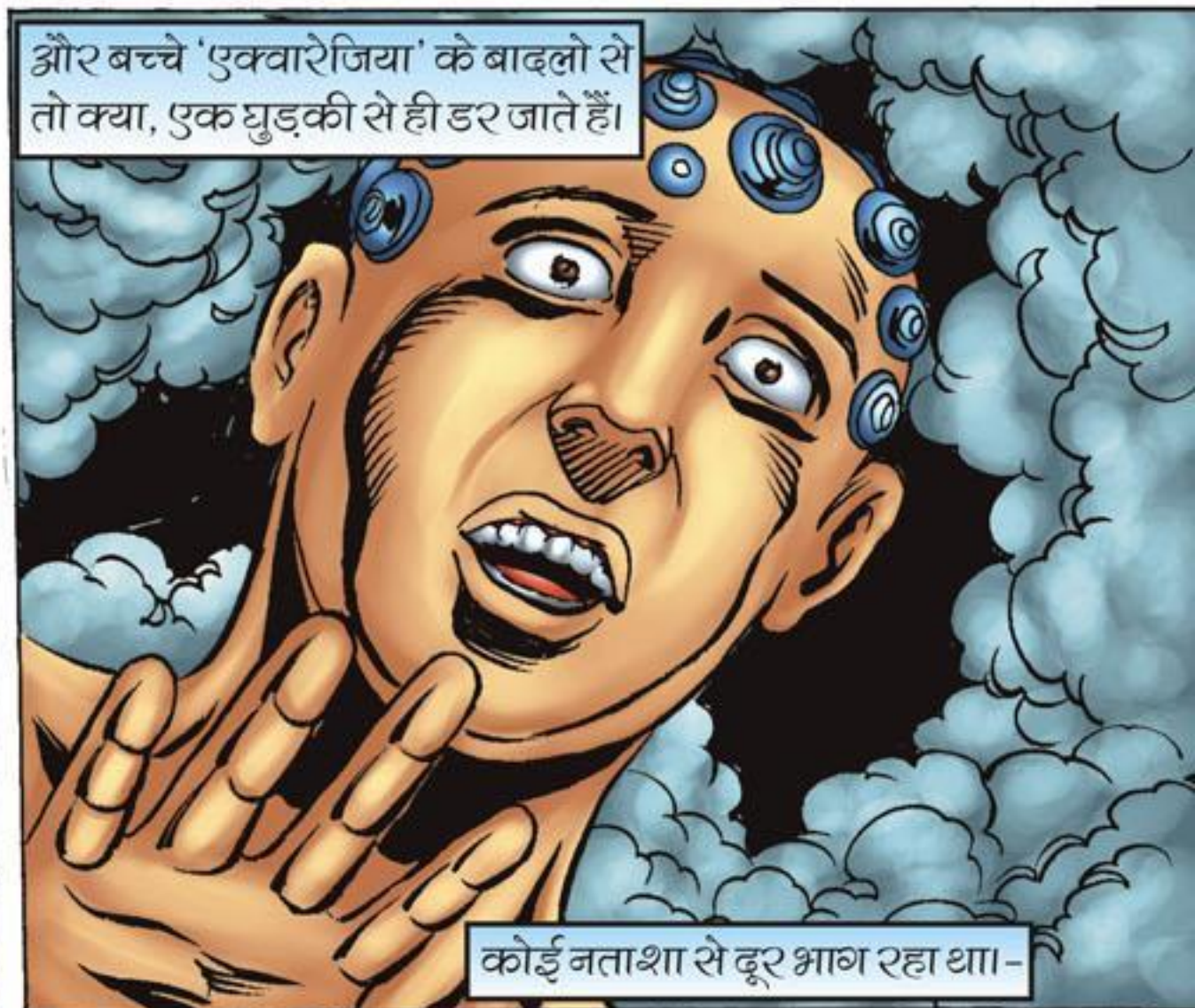
और बच्चे 'एक्वारेजिया' के बादलो से तो क्या, एक घुड़की से ही डर जाते हैं।
कोई नताशा से दूर भाग रहा था।-

तो कोई नताशा के पास पहुंचने की कोशिश कर रहा था-
ये 40 मिनट पहले की रिकार्डिंग है, कैप्टेन! इससे सिर्फ इतना पता चलता है कि बौना नताशा को लेकर राजनगर के दक्षिण की तरफ गया है। पर कहां, यह नहीं पता!
पूरे शहर मे हमारे जो भी कैमरे लगे हैं उन सबकी चालीस मिनट पहले की फुटेज चैक करो! शायद किसी कैमरे ने नताशा की फुटेज ली हो।
उनकी पहले ही छानबीन की जा रही है, कैप्टेन!

"हमारे 1001 कैमरों की उन फुटेज को 200 कैडेट चैक कर रहे हैं! जल्दी ही रिजल्ट पता चल जाएगा!"

अरे! ये क्या है?

क्या, क्या है?

हम नताशा मैडम को ढूंढ रहे हैं। ये तुझे नताशा मैडम लगती हैं?

ये तो ओबामा, ओसामा कोई भी हो सकता है। पर इसकी खबर करीम सर को तो देनी ही चाहिए न!

वो तो है। जा, बता कर आ।

और कुछ ही पलों के बाद

क्या कहते हो। कैप्टेन?

कद काठी तो नताशा से मैच कर रही है! पर पक्की तौर पर कुछ कहना मुश्किल है!

कहीं ये कोई नया क्राइम तो नहीं हो रहा है?

संभव है। चैक करना पड़ेगा। यहां का एड्रेस क्या है?

ओफ! एक्वारेजिया क्लाउड मेरी खाल तक पहुंच गया है। अगर ये मेरे शरीर के अंदर तक पंहुच गया होता तो...
तो तू किसी काम का नहीं रहता!

पर बचेगा तू अब भी नहीं! ये यंत्र!! ये भी इसी रूम में था।
तुमको...इस के बारे में भी पता है। कैसे?
अब तू ये जान भी लेगा तो क्या कर लेगा!

जानना तो तुमको है, नताशा! यह यंत्र दस फुट से ज्यादा दूरी होने पर काम नहीं करता! और मैं बेकअप प्लान हमेशा तैयार रखता हूं!

और सुन लो! जब तक मै इस यंत्र में सिक्योरिटी कोड फीड नहीं करूंगा, यह यंत्र पांच मिनट के बाद 'सेल्फ डेस्ट्रक्ट' हो जाएगा!

और अगले पांच मिनट में...

तुम मुझ तक नहीं पहुंच सकतीं!
तू सच कह रहा है। मैं तुझ तक पांच मिनट में नहीं...
...सिर्फ दो मिनट में पहुंच जाउंगी। मेरे पास तीन मिनट फिर भी बचेंगे तेरी खोपड़ी उड़ाने के लिए।

नताशा....नताशा! जल्दी कर! बस यही आखिरी मौका है तेरे पास! ये उड़न शक्ति कुछ ही मिनटों तक तेरा साथ देगी।

नहीं, नताशा!
ये कौन है मुझे नहीं पता! पर मैं तुम्हारे हाथों से किसी का नुकसान नहीं होने दूंगा।
नहींऽऽऽऽऽ!!
मैं आई तो थी सिर्फ इसे मारने! पर अब तू भी नहीं बचेगा, ध्रुव!

होश मे आओ, नताशा मै तुमसे लड़ना नहीं चाहता हूं।

तो बिना लड़े मर जा!

तरूण जी, आप...यहां भी!!

ध्रुव, नताशा अभी बौनों के कब्जे में है सिर्फ यही नताशा को मंत्र कैद से आजाद कर सकता है इसका इस्तेमाल करो। इसका 'ACTIVATE' वाला बटन दबाओ।

खट

बेहतर होगा आज तुम मेरे घर में ही आराम करो, नताशा!

मुझे तरुण जी का एंगल कुछ संदिग्ध लग रहा है। पर मैंने उनकी फोटो के साथ पापा को वीडियो मेल भेज दी है। बस उनका जवाब एक बार आ जाए तो...

तु....तुम यहां कैसे आ गए?

कार की डिकी में बैठ कर! मेरे पास जाने के लिए और कोई जगह नहीं थी।

पर...तुम हो कौन?

ग्रैंड मास्टर रोबो!
स्टेच्यू
जारी रहेगा जब तक नहीं हो जाता...
गेम ओवर

ध्रुव बना बौनों का मोहरा! उसे बचाना है नताशा को,
तो मारना है रोबो को। नताशा बचे
या रोबो, ध्रुव का दोनो ही
स्थितियों में हो जायेगा...
राज रजत वर्ष 25
गेम ओवर

प्रकाशकः राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई)
330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084
फोनः 27611410 email:bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक : **नागराज नावल्टीज,** 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोनः 23251109, 23251092, 65172310, 32500860

प्राचीन नगरियों की श्रृंखला में उभर आई है एक नई प्राचीन महानगरी। और उसके साथ ही उभर आया है एक महाखतरा। जो बना देगा हमारे वर्तमान महानगरों को खंडहर। और बचेंगे सिर्फ...
राज रजतवर्ष
अवशेष
By: अनुपम
JAGDISH 007
NAGENDRA

राज रजत वर्ष में चार अनुपम भेंट।